08 MAR 2022

नवभारत टाइम्स

थाने आने वाली महिलाओं में जगाया विश्वास

दिल्ली पुलिस में इंस्पेक्टर प्रतिभा शर्मा किसी परिचय की मोहताज नहीं। दिसंबर 2012 में हुए निर्भया गैंगरेप मामले की शुरुआती आईओ रहीं प्रतिभा पहली बार वेस्ट दिल्ली के विकासपुरी थाने में एसएचओ बनीं। 1991 बैच की प्रतिभा विकासपुरी थाने में 11 अक्टूबर 2021 को थानेदार बनीं। उनका कहना है कि कमिश्नर राकेश अस्थाना ने महिला इंस्पेक्टरों को एसएचओ बनाने में जो भरोसा जताया है, उसे हमेशा कायम रखेंगी।

3 लाख आबादी वाले विकासपुरी थाने का चार्ज संभालते ही उन्होंने यह तय कर लिया था कि अपने इलाके में ऑर्गनाइज्ड क्राइम नहीं चलने देंगी। उनका कहना है कि इलाके में अमन-कायम रहे, अपराध ना होने पाए, महिलाएं और बुजुर्ग समेत अन्य तमाम लोग महफूज रहें, यही उनकी प्राथमिकताएं हैं। उनका कहना है कि सप्ताह में एक दिन घर जाना होता है। बाकी समय फोन पर बात कर ले ते हैं। महिला थानेदार होने का बड़ा फायदा यह भी नजर आता है कि उनसे पीड़ित महिलाएं आसानी से बातें कर लेती हैं। कई बार वह उनकी काउंसलिंग करके भी समस्याओं का निपटारा करा देती हैं।

